

**MASTERS DEGREE IN SOCIAL WORK (MSW)****Term-End Examination****December, 2016****MSW-002 : PROFESSIONAL SOCIAL WORK :  
INDIAN PERSPECTIVE*****Time : 3 hours******Maximum Marks : 100***

- Note :** (i) Answer all the five questions.  
 (ii) All questions carry equal marks.  
 (iii) Answer to questions 1 and 2 should not exceed 600 words each.
- 

1. Highlight the impact of Brahmo Samaj, Tabligh movement, Dravidian movement and Naxalbari movement in removing various social problems prevalent in the Indian society. **20**  
**OR**  
 Discuss Gandhi's 19-point constructive programme. **20**
  
2. Enlist and explain various social work professional organisations in India. **20**  
**OR**  
 Enumerate and discuss the career options in social work. **20**
  
3. Answer any two of the following questions in about 300 words each :  
 (a) What is the role of Indian Council for Child welfare ? Discuss with examples. **10**

- (b) Identify and describe the affinity between the concepts and values of Hinduism and professional social work. 10
- (c) Write a note on gramdan vis-a-vis community organisation as a method of professional social work. 10
- (d) Role of social workers in policy formulation and development. 10
- 4.** Answer **any four** of the following questions in about **150** words each : 5
- (a) Elaborate on the nature of welfare state in the ancient period. 5
- (b) What are the important peasant movements in India ? 5
- (c) Enlist the objectives of NAPSWI. 5
- (d) What are the various stages of establishment of various social work educational institutions in India ? 5
- (e) Name four prominent journals in the field of social work. 5
- (f) Write a short note on state Social Welfare Departments. 5
- 5.** Write short notes on **any five** of the following questions in about **100** words each : 4
- (a) Central and State Social Welfare Board 4
- (b) Sri Narayan Guru 4
- (c) Missionaries of Charity 4
- (d) Sikhism and Social Work 4
- (e) Concept of Satyagraha 4
- (f) Advocacy 4
- (g) Boycott 4
- (h) Christian contribution to social work profession in India. 4
-

# समाज कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि ( एम.एस.डब्ल्यू. )

**सत्रांत परीक्षा**  
**दिसम्बर, 2016**

**एम.एस.डब्ल्यू.-002 : व्यावसायिक समाज कार्य : भारतीय  
परिप्रेक्ष्य**

**समय : 3 घण्टे**

**अधिकतम अंक : 100**

- नोट :**
- (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
  - (ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
  - (iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 (प्रत्येक) का उत्तर 600 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।
- 

1. भारतीय समाज में व्याप्त विभिन्न सामाजिक समस्याओं के 20 निवारण में ब्रह्मो समाज, ताबलिग आन्दोलन, द्रविड़ियन आन्दोलन एवं नक्सलबाड़ी आन्दोलन के प्रभाव पर प्रकाश डालिए।

**अथवा**

गांधी के 19-बिन्दु रचनात्मक कार्यक्रम की चर्चा कीजिए। 20

2. भारत में विभिन्न व्यावसायिक समाजकार्य संगठनों को सूचीबद्ध करते हुए समझाइए। 20

**अथवा**

समाजकार्य में कैरियर विकल्पों की गणना एवं चर्चा कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 300 शब्दों में) दीजिए।
- (a) भारतीय बाल कल्याण परिषद की भूमिका क्या है? 10  
उदाहरण के साथ चर्चा कीजिए।

(b)	हिन्दू धर्म एवं व्यावसायिक समाज कार्य की अवधारणाओं एवं मूलयों के मध्य सम्बन्ध को पहचानिए एवं चर्चा कीजिए।	10
(c)	ग्रामदान पर टिप्पणी व्यावसायिक समाज कार्य की विधि के रूप में सामुदायिक संगठन की तुलना में लिखिए।	10
(d)	नीति निर्माण एवं विकास में समाज कार्यकर्ता की भूमिका।	10
4.	निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) दीजिए।	
(a)	प्राचीन समय में कल्याणकारी राज्य की प्रकृति को विस्तार से समझाइए।	5
(b)	भारत में महत्वपूर्ण किसान आन्दोलन कौन से हैं?	5
(c)	NAPSWI के उद्देश्यों को सूचीबद्ध कीजिए।	5
(d)	भारत में समाजकार्य की शैक्षिक संस्थाओं को स्थापित करने में विभिन्न अवस्थाएँ क्या हैं?	5
(e)	समाजकार्य के क्षेत्र में चार प्रख्यात जर्नलों के नाम बताइए।	5
(f)	राज्य समाज कल्याण विभाग पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।	5
5.	निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में) लिखिए।	
(a)	केन्द्रीय एवं राज्य समाज कल्याण बोर्ड	4
(b)	श्री नारायण गुरु	4
(c)	दान के मिशनरी	4
(d)	सिख धर्म एवं समाजकार्य	4
(e)	सत्याग्रह की अवधारणा	4
(f)	वकालत	4
(g)	बहिष्कार	4
(h)	भारत में व्यावसायिक समाजकार्य में ईसाई धर्म का योगदान	4